

παρεμβολὴν τῶν ἁγίων <sup>Τ</sup> καὶ τὴν πόλιν τὴν ἡγαπημένην, καὶ κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καὶ κατέφαγεν αὐτούς. **10** καὶ ὁ διάβολος ὁ πλανῶν αὐτούς ἐβλήθη εἰς τὴν λίμνην τοῦ πυρός καὶ θείου ὅπου <sup>Ο</sup>καὶ τὸ θηρίον καὶ ὁ ψευδοπροφήτης, καὶ βασανισθήσονται ἡμέρας καὶ νυκτὸς εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

Jr 11,15; 12,7 Ps 87,2;  
78,68 · 2Rg 1,10.12  
Ez 38,22; 39,6  
12,9!

19,20! · 14,10! · 16,13!

<sup>64</sup> **11** Καὶ εἶδον θρόνον μέγαν λευκὸν καὶ τὸν καθήμενον ἐπ' αὐτόν, οὗ ἀπὸ <sup>Ο</sup>τοῦ προσώπου ἔφυγεν ἡ γῆ καὶ ὁ οὐρανὸς καὶ τόπος οὐχ εὐρέθη αὐτοῖς. **12** καὶ εἶδον τοὺς νεκρούς, <sup>□</sup>τοὺς μεγάλους καὶ τοὺς μικρούς, ἑστῶτας ἐνώπιον τοῦ θρόνου. καὶ βιβλία ἠνοιχθησαν, καὶ ἄλλο βιβλίον ἠνοιχθῆ, ὃ ἐστὶν τῆς ζωῆς, καὶ ἐκρίθησαν οἱ νεκροὶ ἐκ τῶν γεγραμμένων ἐν τοῖς βιβλίοις κατὰ τὰ ἔργα αὐτῶν. **13** καὶ ἔδωκεν ἡ θάλασσα τοὺς νεκρούς τοὺς ἐν αὐτῇ καὶ ὁ θάνατος καὶ ὁ ᾄδης ἔδωκαν τοὺς νεκρούς τοὺς ἐν αὐτοῖς, καὶ ἐκρίθησαν ἕκαστος κατὰ τὰ ἔργα <sup>Γ</sup>αὐτῶν. **14** καὶ ὁ θάνατος καὶ ὁ ᾄδης ἐβλήθησαν εἰς τὴν λίμνην τοῦ πυρός. <sup>□</sup> <sup>Τ</sup> οὗτος ὁ θάνατος ὁ δεύτερός ἐστιν, ἡ λίμνη τοῦ πυρός. **15** καὶ εἴ τις οὐχ εὐρέθη ἐν τῇ βίβλῳ τῆς ζωῆς γεγραμμένος, ἐβλήθη εἰς τὴν λίμνην τοῦ πυρός.

<sup>65</sup> **21** Καὶ εἶδον οὐρανὸν καινὸν καὶ γῆν καινὴν. ὁ γὰρ πρῶτος οὐρανὸς καὶ ἡ πρώτη γῆ ἠπῆλθαν καὶ ἡ θάλασσα οὐκ ἔστιν ἔτι. **2** καὶ τὴν πόλιν τὴν ἁγίαν Ἱερουσαλὴμ καινὴν εἶδον καταβαίνουσαν ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἀπὸ τοῦ θεοῦ <sup>2</sup> ἡτοιμασμένην ὡς νύμφην κεκοσμημένην τῷ

5,7! 4Esr 7,33  
6,14; 16,20; 21,1 Ps  
114,3.7 2P 3,7.10.12 ·  
12,8 Dn 2,35 Theod |  
11,18!  
Dn 7,10 1Hen 90,20  
2Bar 24,1 4Esr 6,20  
15! 3,5! Is 4,3 · 13 1Hen  
89,62-64

1Hen 51,1; 61,5  
2,23! Ps 28,4 Sir 16,12  
J 5,28s 1Hen 95,5  
21,4 Is 25,8 1K 15,26  
19,20! · 6!

3,5! 1Hen 47,3 Jub  
30,22 2Bar 73,1 JosAs  
15,4  
1Hen 92,16 Is 65,17;  
66,22 2P 3,13 2Bar 32,6  
4Esr 7,75 · 20,11! |  
11,2! Neh 11,1.18 · 3,12!  
H 11,16; 12,22 G 4,26  
19,7! Is 61,10

**9** <sup>Τ</sup> καὶ τὴν πόλιν τῶν ἁγίων 046 (syph) | ἀπο τοῦ θεοῦ 1854 vgms | ἀπο τοῦ θεοῦ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ <sup>κ</sup>2 P 2053<sup>lat</sup> | ἐκ τοῦ (-051) θεοῦ ἀπο τοῦ οὐρανοῦ 051 <sup>α</sup> | ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἀπο τοῦ θεοῦ 2030. 2329 <sup>κ</sup> syph | txt A 2053<sup>com</sup> vgms bo<sup>mss</sup>; Aug • **10** <sup>Γ</sup> καὶ τοῦ <sup>κ</sup> 1006. 1611. 1841. 2329 | τοῦ 2053. 2062 | <sup>ο</sup> <sup>κ</sup> 051. 2050. 2053. 2062 <sup>α</sup> ar vg<sup>mss</sup> syph co; Apr • **11** ἐπ (επανω <sup>κ</sup>) αὐτοῦ <sup>κ</sup> A 1006. 1611. 1841. 2053. 2062. 2329 | ἐπ αὐτῷ 1854 | txt P 046. 051. 2030. 2050 <sup>κ</sup> | <sup>ο</sup> 046. 051. 1854. 2053. 2062 <sup>κ</sup> | txt <sup>κ</sup> A P 1006. 1611. 1841. 2050. 2329 • **12** <sup>□</sup> 2030 <sup>κ</sup> | ἠνοιξαν 1854. 2030. 2329 <sup>κ</sup>; Ambr | ἠνεωχθη <sup>κ</sup> | τὰς βιβλοὺς <sup>κ</sup> • **13** <sup>3 4 1</sup> 051. 1854 <sup>α</sup> | ἔδωκεν A | <sup>3 4 1</sup> 051. 1854. 2030 <sup>α</sup> | <sup>Γ</sup> κατεκριθησαν <sup>κ</sup> | <sup>Γ</sup> αὐτοῦ 046 <sup>κ</sup> sa<sup>mss</sup> • **14** <sup>□</sup> 051. 2053<sup>lat</sup>. 2062<sup>lat</sup> <sup>α</sup> ar sin bo; Aug | <sup>Τ</sup> καὶ <sup>κ</sup> | <sup>Γ</sup> δευτερος θάνατος <sup>κ</sup> (<sup>Γ</sup> 1611) • **15** <sup>Γ</sup> τῷ βιβλίῳ 046. 1006. 1841. 2030. 2377 <sup>κ</sup>

¶ **21,1** <sup>Γ</sup> ἀπῆλθεν P 1854. 2030 lat | παρῆλθεν 051 <sup>α</sup> | <sup>Γ</sup> καὶ τὴν θάλασσαν οὐκ εἶδον ἐτι A • **2** <sup>Γ</sup> P 051 <sup>α</sup>

| 16,17 19,5 ἀνδρὶ αὐτῆς. 3 καὶ ἤκουσα φωνῆς μεγάλης ἐκ τοῦ ἑθρόνου λεγούσης·

13,6 J1,14 Jub 1,26  
Zch 2,14s Lv 26,12 Ez  
37,27 2K 6,16  
1Rg 8,27 Is 8,8 Jr 31,1  
Ps 95,7  
| 7,17! Is 25,8 Jr 31,16  
2Bar 73,2s 4Esr 8,53  
20,14 · Is 35,10; 51,11;  
65,19 AssMos 10,1  
Is 43,18; 65,17

ἰδοὺ ἡ σκηνὴ τοῦ θεοῦ μετὰ τῶν ἀνθρώπων, καὶ ἑσκηνώσει μετ' αὐτῶν, καὶ αὐτοὶ ἑλαοὶ αὐτοῦ ἔσονται, καὶ αὐτὸς ὁ θεὸς ἑμετ' αὐτῶν ἔσται [αὐτῶν θεός], 4 καὶ ἐξαλείψει ἑ πᾶν δάκρυον ἑκ τῶν ὀφθαλμῶν αὐτῶν, καὶ ὁ θάνατος οὐκ ἔσται ἔτι οὔτε πένθος οὔτε κραυγὴ οὔτε πό- νος οὐκ ἔσται ἔτι, [ὅτι] τὰ πρῶτα ἑ ἀπῆλθαν.

5,7! 2Bar 73,1 · Is 43,19  
2K 5,17! Jub 1,29  
19,9! · 22,6!  
| 16,17  
1,8! · 22,13  
7,16s; 22,1.17 J7,37 Is  
55,1 Jr 2,13 Zch 14,8  
1Hen 17,4 | 2,7! TestLev  
18,11 2Sm 7,14 Lv 26,12  
Ez 11,20 Zch 8,8  
R1,29! · Tt 1,16  
22,15 E5,5s  
19,20!  
14,10! · 20,6!

5 Ὁ καὶ ἑῖπεν ὁ καθήμενος ἐπὶ τῷ θρόνῳ· ἰδοὺ ἑκαινα 66 ποιῶ ἑ πάντα καὶ λέγει ἑ γράψον, ὅτι οὔτοι οἱ λόγοι πιστοὶ καὶ ἀληθινοὶ ἑ εἰσιν. 6 καὶ ἑῖπέν μοι· ἑγένοναν. ἐγὼ [εἰ- μι] ἑ τὸ ἑλφα καὶ τὸ ἑ, ἑ ἑ ἀρχὴ καὶ τὸ τέλος. ἐγὼ τῷ διψῶντι δώσω ἑ ἐκ ἑ τῆς πηγῆς τοῦ ἑδατος τῆς ζωῆς δωρεάν. 7 ὁ νικῶν ἑκληρονομήσει ταῦτα καὶ ἑσομαι ἑ αὐτῷ θεὸς καὶ ἑαὐτὸς ἔσται μοι υἱός. 8 τοῖς δὲ δειλοῖς καὶ ἀπίστοις ἑ καὶ ἐβδελυγμένοις καὶ φονεῦσιν καὶ πόρ- νοις καὶ φαρμάκοις καὶ εἰδωλολάτραις καὶ πᾶσιν τοῖς ἑψευδέσιν τὸ μέρος αὐτῶν ἐν τῇ λίμνῃ τῇ καιομένῃ πυρὶ καὶ θείῳ, ὅ ἑστιν ὁ θάνατος ὁ δεῦτερος.

3 ἑ ουρανου P 046. 051<sup>s</sup>. 1006. 1611. 1841. 1854. 2030. 2053. 2062. 2329. 2377 M gig sy co; Ambr Prim | txt N A lat; Ir<sup>lat</sup> | ἑεσκηνωσεν N\* 1611. 2050 gig vg<sup>mss</sup> sy<sup>h</sup> | ἑἑλαος P 051<sup>s</sup>. 1006. 1611. 1841. 1854. 2062<sup>com</sup> M<sup>K</sup> lat sy | txt N A 046. 2030. 2050. 2053. 2062<sup>txt</sup>. 2329 M<sup>A</sup> ar; Ir<sup>lat</sup> | ἑ1-3 046 M<sup>K</sup> gig | 3 1 2 N sin; Aug | 3 1 2 5 4 P 051<sup>s</sup> M<sup>A</sup> | 1-3 5 4 1854 | 1-3 5 1006. 1611. 1841 | txt A 2030. 2050. 2053<sup>com</sup>. 2329. (ο θεος 2053<sup>txt</sup>. 2062) vg; Ir<sup>lat</sup> • 4 ἑο θεος A 1006. 1841 vg; Apr | απ αυτων 046 M<sup>K</sup> | ἑαπο P 046. 051<sup>s</sup>. 1006. 1611. 1854. 2030. 2050. 2053. 2062. 2329. 2377 M; Ir<sup>lat</sup> | txt N A 1841 | ὅ N 2050. 2329 | ἑ N 2030 | ἑ1 3 4 A P 051<sup>s</sup>. 1006. 1611. 1841. 2030. 2053. 2062. 2329. 2377 M<sup>A</sup> | 2 3 4 N<sup>1</sup>; Aug | ετι τα προβατα N\* | txt 046. 1854. 2050 M<sup>K</sup> ar sin vg<sup>ww</sup> sy<sup>h</sup>; Ir<sup>lat</sup> | ἑαπηλθεν N 046. 1854. 2050. 2053. 2062. 2329 M<sup>K</sup> | παρηλθον 1611 sy<sup>ph</sup> • 5 ὅ M<sup>K</sup>; Ir<sup>lat</sup> Apr | ἑλεγει 1854. 2030. 2377 | ἑκαινοποιω 051<sup>s</sup>. 2030. 2377 M<sup>A</sup> | ἑμοι N P 051<sup>s</sup>. 1006. 1841<sup>vid</sup>. 2050 M<sup>A</sup> ar vg<sup>cl</sup> sy<sup>ph</sup> co | ἑτου θεου 046. 1854. (2329) M<sup>K</sup> sy<sup>h\*\*</sup> • 6 ἑλεγει N | ἑγεγονα (γεγοναν N<sup>2a</sup>, - N<sup>2b</sup>) εγω (- M<sup>K</sup>) N P 046. 051<sup>s</sup>. 1611. 1854. 2030. 2050. 2329. 2377 M sy<sup>h</sup> sa | txt A (γεγονασιν 1006. 1841. 2053. 2062) (latt) sy<sup>ph</sup> | ἑκαι 046 M<sup>K</sup> | ἑαυτω 046 M<sup>K</sup> | ἑA • 7 ἑδωσω αυτω 046 M<sup>K</sup> sy<sup>hmg</sup> | ἑαυτων A 1854. 2030. 2377 M<sup>A</sup> sin vg<sup>ms</sup>; (Tert) | ἑ2-4 A 1006. 1841 sa | αυτοι εσονται μοι υιοι 051<sup>s</sup>. 1854. 2030. 2377 M<sup>A</sup>; (Tert) • 8 ἑκαι αμαρτωλοις 046. 1854. 2329 M<sup>K</sup> sy<sup>ph.h\*\*</sup> | ὅ 051<sup>s</sup> M<sup>A</sup> | ἑψευσταις A | ἑ3 4 2 051<sup>s</sup>. 1854. 2030. 2377 M<sup>A</sup> | θανατος P